

चिकित्सा में वह रोगी जिसका पेट विरेचन, वमन आदि द्वारा साफ कर दिया गया हो 8. परिवार को बंटवारा हो चुकने के बाद भी मिलकर एक हो गये हो 9. घनिष्ठता, हेल मेल 10. एक पौराणिक पर्वत।

संसृष्टत्व पुं. (तत्.) 1. संसृष्ट होने की अवस्था, गुण या भाव 2. संपत्ति विभाजन के बाद भी हिस्सेदारों का एक साथ मिलकर रहना।

संसृष्ट होम पुं. (तत्.) अग्नि और सूर्य को एक साथ दी जाने वाली आहुति।

संसृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. संसृष्ट होने की अवस्था, गुण या भाव 2. घनिष्ठता, हेल मेल 3. मिलावट, मिश्रण 4. संबंध लगाव 5. बनावट, स्वरूप, रचना 6. एकत्रीकरण, संग्रह 7. धर्मशास्त्र में बंटवारा हो जाने के बाद भी परिवारों का दुबारा मिल कर एक हो जाना 8. साहित्य में दो या अधिक काव्यालंकारों का इस प्रकार मिल जाना या साथ होना कि वे सब अलग अलग दिखाई दें इसे एक स्वतंत्र अलंकार माना जाता है।

संसृष्टी पुं. (तत्.) धर्मशास्त्र में ऐसे परिवार या संबंधी जो विभाजन हो चुकने पर भी मिलकर एक हो गये हो।

संसेक पुं. (तत्.) पानी का अच्छी तरह छिड़काव, सिंचन।

संसेक्ति वि. (तत्.) 1. जिसकी अच्छी तरह सेवा की गई हो 2. अच्छी तरह उपयोग, व्यवहार में लाया गया।

संसेचन पुं. (तत्.) प्राणियों में नर के वीर्य का मादा के अंड में मिलना जिससे प्रजनन प्रक्रिया पूरी होती है।

संसेवन स्त्री. (तत्.) सेवा करना, व्यवहार में लाना, उपयोग करना, संपर्क रखना।

संसेवा स्त्री. (तत्.) 1. सेवा, उपयोग, व्यवहार, पूजा-सत्कार 2. प्रवृत्ति, झुकाव।

संसेवी वि. (तत्.) 1. सेवक, सेवा-टहल करने वाला 2. पूजा-सत्कार करने वाला।

संसेव्य वि. (तत्.) 1. सेवा, पूजा करने योग्य 2. व्यवहार, उपयोग में लाने योग्य।

संस्करण पुं. (तत्.) 1. तैयार करना, क्रमबद्ध करना, शुद्ध, परिष्कृत करना 2. द्विजातियों के निर्धारित संस्कार करना 3. शव संस्कार करना 4. पुस्तक आदि का एक बार में मुद्रण जैसे- प्रथम संस्करण, द्वितीय संस्करण।

संस्कर्ता वि. (तत्.) 1. शुद्ध, संस्करण, संस्कार करने वाला 2. भोजन तैयार करने वाला

संस्कार पुं. (तत्.) 1. साथ रखना, व्यवस्थित करना, सजाना, सुधारना, शुद्धि, सफाई करना 2. भोजन तैयार करना 3. धातु की वस्तुओं को मांजकर चमकाना 4. जीवों/वनस्पतियों का पालन पोषण 5. मानसिक शिक्षा 6. वाक्यों आदि की शुद्धता, पवित्रीकरण 7. पाप का निवारण करने वाले यज्ञ कार्य 8. द्विजातियों के लिए निर्धारित षोडश संस्कार जैसे- गर्भाधान, पुंसवन, नामकरण, उपनयन, विवाह आदि।

संस्कारक वि. (तत्.) 1. संस्कार करने वाला, सुधारने वाला, शुद्ध करने वाला 2. मन पर छाप डालने वाला 3. खाद्य के रूप में या पाक के काम में आने वाला।

संस्कारवान वि. (तत्.) अच्छे संस्कारों वाला, अच्छे आचरण एवं स्वभाव वाला।

संस्कारहीन वि. (तत्.) संस्कारों से रहित, दुराचरण वाला।

संस्कारी पुं. (तत्.) 1. जो किसी प्रकार के संस्कार कराता हो, शुद्धि कार्य करने वाला 2. अच्छे गुणों या संस्कारों से युक्त 3. सोलह मात्राओं वाला छन्द।

संस्कार्य पुं. (तत्.) संस्कार या शुद्धि करने योग्य, जिसकी शुद्धि या संस्कार होना आवश्यक हो।

संस्कृत पुं. (तत्.) 1. शुद्धि, संसार की क्रिया या भाव 2. अभिमंत्रण/मंचपूत करना 3. और्ध्वदैहिक क्रिया, अंत्येष्टि संस्कार।

संस्कृत वि. (तत्.) 1. जिसका संस्कार, शोधन हुआ हो, शुद्ध किया हुआ, संवारा, परिमार्जित